भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 999
जिसका उत्तर सोमवार, 01 जुलाई, 2019 को दिया जाना है

बी.एच.ई.एल का वित्तीय कार्यनिष्पादन

999. श्री नारायण लाल पंचारिया:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पिछले तीन वर्षों में से किसी भी वर्ष के दौरान 'भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि'. (बीएचईएल) को कोई हानि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने बीएचईएल के वित्तीय कार्य निष्पादन में सुधार करने हेतु कोई कदम उठाया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री अरविंद गणपत सावंत)

(क): जी, नहीं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने गत तीन वर्षों (अर्थात 2016-17,2017-18 और 2018-19) के प्रत्येक वर्ष में निम्नानुसार लाभ दर्ज किया हैं:

बीएचईएलः स्टैडअलोन परिणाम	2016-17	2017-18	2018-19
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	628	1,585	2,058
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	496	807	1,215

(ख): उपर्युक्त (क) के मद्देनजर लागू नहीं।

(ग) और (घ): सरकार ने सरकार द्वारा नामित 2 निदेशकों और 4 स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की है जो बीएचएएल के बोर्ड में हैं (दिनांक 19.06.2019 की स्थिति के अनुसार), जो कंपनी की रणनीतिक दिशा की निगरानी में सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं, कारपोरेट कार्य-निष्पादन की समीक्षा और मॉनीटरिंग कर रहे हैं, नियामक अनुपालन और कारपोरेट का संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं, तथा स्टेकहोल्डरों के हितों की रक्षा कर रहे हैं। इसके अलावा, भारी उद्योग विभाग (डीएचआई) द्वारा नियमित आधार पर बीएचईएल की कार्य-प्रणाली और कार्य-निष्पादन की समीक्षा की जाती है। भारी उद्योग विभाग परामर्शी-पत्रों/सुझावों, उपयुक्त अंतर-मंत्रालयी हस्तक्षेपों और मामला-दर-मामला आधार पर अन्य सरकारी एजेंसियों/विभागों/मंत्रालयों/उपभोक्ताओं आदि के साथ इसके मुद्दों को उठाकर इसकी योजना की उपलब्धियों में भी कंपनी की सहायता करता है।

*****